संपादकीय

नशे का नश्तर

देश के विभिन्न हिस्सों में नशीले पदार्थों की बरामदगी में तेजी आना हमारी गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। सबसे बड़ी चिंता यह है कि नशे की अंतर्राष्ट्रीय तस्करी में सूचना व तकनीक के आधुनिक तौर-तरीकों का सहारा लिया जा रहा है, जिसके चलते यह जांच एजेंसियों की पकड़ में आसानी से नहीं आ पाती। इतना ही नहीं, कोरोना संकट के काल में बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थों का कारोबार कुख्यात इंटरनेट प्लेटफॉर्म डार्कनेट और समुद्री मार्ग के जरिये बढ़ा है। इसके लिये कूरियर सेवाओं के जरिये भी नशीले पदार्थों की आपूर्ति की जाती रही है। देश में हेरोइन की बरामदगी तीन गुना से अधिक हो गई है। जहां वर्ष 2017 में 2,146 किलोग्राम हेरोइन बरामद हुई थी, वहीं वर्ष 2021 में इसकी मात्रा 7,282 किलोग्राम तक जा पहुंची। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो यानी एनसीबी का दावा है कि प्रभावी कार्रवाई के चलते नशीले पदार्थों की बरामदगी में तेजी आई है। हालाकि नशे के तस्कर कार्रवाई करने वाली एजेंसियों से बचने के लिये लगातार तस्करी के तौर-तरीके बदलते रहते हैं। इंटरनेट में काले धंधों के बदनाम इंटरनेट प्लेटफॉर्म डार्कनेट के जरिये नशे की तस्करी दुनियाभर के देशों के लिये चिंता बढ़ाने वाली है। विशेष सॉफ्टवेयरों का उपयोग करने वाले तस्करों तक पहुंच बनाना सहज नहीं हो पाता, जो जांच अधिकारियों के लिये एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। बताया जाता है कि डार्कनेट बाजार में नब्बे प्रतिशत बिक्री कथित तौर पर नशीले पदार्थों से संबंधित है। तस्कर आधुनिक तकनीकों का सहारा लेकर कानून-व्यवस्था की आंख में धूल झोंकने में कामयाब हो जाते हैं। ऐसे में सरकारी एजेंसियों को साइबर मोर्चे पर इस खेल पर अंकुश लगाने के लिये उन्नत तकनीकों का इस्तेमाल करना होगा, क्योंकि आने वाले समय में इस चुनौती में विस्तार ही होगा। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बेहद ताकतवर माफियाओं को कुछ सरकारों की मदद इस समस्या को जटिल बनाने का ही काम करती है, जो साझा अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों से ही दूर की जा सकती है। हाल ही के दिनों पंजाब व जम्मू कश्मीर में नशीले पदार्थों की तस्करी में परंपरागत तौर-तरीकों के साथ ही आधुनिक तकनीक का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। बीएसएफ द्वारा बड़ी मात्रा में हेरोइन की बरामदगी इन आशंकाओं की पुष्टि करती है। अटारी-वाघा सीमा पर 532 किलोग्राम हेरोइन बरामद होने के दो साल बाद दिसंबर, 2021 में गुजरात तट पर एक पाकिस्तानी नाव से 77 किलोग्राम हेरोइन की जब्ती को सुरक्षा खतरे के मद्देनजर नार्को आतंकवाद पर गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है। सीमा पर सख्ती के चलते आतंकवादियों को हथियार व गोला-बारूद जुटाने में मदद के लिये नशे की खेपों का इस्तेमाल किया जा रहा है। यहां तक कि बड़े पैमाने पर ड्रोनों का इस्तेमाल भारतीय क्षेत्रों में नशे की खेप पहुंचाने के लिये किया जा रहा है। पिछले साल सितंबर में गुजरात के कच्छ इलाके में मुन्दरा बंदरगाह पर करीब 3000 किलोग्राम हेरोइन की बरामदगी ने देश को चौंकाया था, जो बताता है कि नशे की तस्करी के लिये समुद्री मार्गों का भी लगातार इस्तेमाल हो रहा है। भारत को यह शिपमेंट अफगानिस्तान से ईरान के रास्ते भेजा गया, जो यह बताता है कि नई पीढ़ी को पथभ्रष्ट करने के लिये किस तरह अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर साजिशें हो रही हैं। यह सुनियोजित अंतर्राष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट की भागीदारी की ओर इशारा करता है। इस बड़ी साजिश की व्यापक जांच की जरूरत है ताकि नशे के कारोबार की बड़ी मछलियों पर नकेल कसी जा सके। एशिया ही नहीं, पूरी दुनिया में नशीले पदार्थों की आपूर्ति अफगानिस्तान से की जाती रही है। इसमें तालिबान के सत्ता में काबिज होने के बाद इजाफा बताया जा रहा है। दरअसल, आर्थिक संकट से जूझते अफगानिस्तान में नशीले पदार्थ आय का बड़ा जरिया बनते जा रहे हैं; जिसको लेकर पूरी दुनिया चिंतित है। इसी कारण अभी तक दुनिया के किसी देश ने अफगानिस्तान को मान्यता नहीं दी है। एनसीबी के अनुसार पिछले पांच वर्षों में भांग की बरामदगी भी दोगुनी हो गई है। लेकिन वक्त की प्राथमिकता सिंथेटिक नशीले पदार्थों पर अंकुश लगाने की है।

ट्रेनों में अब नियमित तौर पर होगी खानपान की जांच, 50 एफएसएस होंगे तैनात

दिल्ली। भारतीय रेलवे अब नियमित तौर पर ट्रेन में यात्रियों को मिलने वाले खानपान की जांच करेगी। कोविड-19 नियमों के तहत इसमें ढील दी गई थी। जांच रिपोर्ट तैयार की जायेगी, शिकायत मिलने पर उसे दूर भी किया जायेगा।

रेलवे के अनुसार यात्रियों को शुद्ध, स्वादिष्ट और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के लिए भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आइआरसीटीसी) में एक महत्वपूर्ण कदम के तहत बेस किचन में भोजन की गुणवत्ता की नियमित जांच की पहल करने जा रहा है। रेलवे की ओर से इस काम के लिए खासतौर पर फूड सेफ्टी सुपरवाइजर तैनात किए जाएंगे। वहीं खाद्य सामग्री की जांच के लिए निजी लैब की मदद ली जाएगी। इस पूरी प्रक्रिया के दौरान यात्रियों की संतुष्टि का ख्याल रखा जाएगा। उनके सुझाव से खानपान की सामने आ रही कमियां दुरुस्त भी किया जाएगा।

हालांकि कोरोना महामारी के मद्देनजर ट्रेनों में यात्रियों को भोजन नहीं परोसा जा रहा था। जिसे अब फिर से आइआरसीटीसी की सभी ट्रेनों में बहाल कर दिया गया है। रेलवे बोर्ड से प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुसार पके हुए भोजन की बहाली पूरी सावधानियों के साथ यात्रियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए की गई है। इस तरह की सेवाएं लगभग 428 ट्रेनों में पके हुए भोजन के रूप में पहले ही बहाल की जा चुकी थीं। कोरोना में हो रही कमियों को देखते हुए 21 दिसंबर से ही करीब 30 फीसदी और 22 जनवरी तक 80 फिसदी पके हुए भोजन की सेवा की बहाली प्रारम्भ कर दी गई थी। बाकी शेष 20 फीसदी को भी फरवरी 14 से बहाल कर दिया गया। जबकि प्रीमियम ट्रेनों (राजधानी, शताब्दी, दुरंतो) में पका हुआ भोजन पहले ही 21 दिसंबर को बहाल कर दिया गया था।

ट्रेनों में मिलने वाले खाने को लेकर यात्री अक्सर शिकायत करते हैं। इसमें सुधार के लिए कई कदम भी उठाए गए हैं। शिकायत मिलने पर कई बार बेस किचन और ट्रेनों के पैंट्री कार का औचक निरीक्षण किया जाता है। इससे गुणवत्ता में कुछ सुधार हुआ है, लेकिन यात्रियों की शिकायत दूर नहीं हुई है। इसे ध्यान में रखकर मंत्रालय की ओर से फूड सेफ्टी सुपरवाइजर (एफएसएस) तैनात करने का फैसला किया गया है। शुरूआत में कुल 50 एफएसएस तैनात करने के लिए आवेदन मांगे गए हैं। कोरोना काल के पहले आइआरसीटीसी के 46 बेस किचन थे। प्रत्येक किचन में कम से कम एक एफएसएस रहेगा। किचन में बनने वाले भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की उसकी जिम्मेदारी होगी।

वहीं रेलवे स्टेशनों पर और ट्रेनों में मिलने वाले भोजन से यात्री कितने संतुष्ट हैं, इसके लिए निजी एजेंसी से सर्वे कराने का फैसला किया गया है। दो साल के लिए एजेंसी को यह काम सौंपा जाएगा। एजेंसी के कर्मचारी स्टेशनों पर खानपान के स्टाल और ट्रेनों में यात्रियों से बात करके रिपोर्ट तैयार करेंगे। इससे रेलवे को यात्रियों की शिकायत को दूर करने में मदद मिलेगी और उसे दुरुस्त किया जायेगा।

एसबीआई रिपोर्ट में चालू वित्त वर्ष की आर्थिक वद्धि 8.8 प्रतिशत रहने का अनुमान

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की एक ताजा रपट के अनुसार वित्त वर्ष 2021-22 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में सालाना आधार पर 8.8 प्रतिशत की वृद्धि होगी। यह उसके पहले के अनुमान से 0.5 अंक नीचे है।

एसबीआई के आर्थिक अनुसंधान विभाग (ईआरडी) ने पहले चालू वित्त वर्ष में वृद्धि 9.3 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। एसबीआई-ईआरडी की शुक्रवार को जारी रिपोर्ट के अुनसार भारत में वस्तुओं और सेवाओं के कुल वास्तविक मूल्य में स्थिर कीमत पर चालू वर्ष 2021-22 की अक्टूबर-दिसंबर में 5.8 प्रतिशत की वृद्धि होने की संभावना है। एसबीआई ईकोरैप शीर्षक रिपोर्ट शोध रिपोर्ट के एसबीई बैंक समूह के मुख्य आर्थिक सलाहकार सौम्य कांति घोष ने तैयार की है।

रपट में चालू वित्त वर्ष के वृद्धि के अनुमान को कम करते हुए कहा गया है बहुरुपिए वायर से 'लगातार लड़ाई' के कारण थकान और विभिन्न झटकों के मिले जुले प्रभाव के कारण वृद्धि प्रभावित हो रही है।

श्री घोष के अनुसार ईकोरैप के ताजा अनुमान के अनुसार चालू वित्त वर्ष में भारत का सकल वास्तविक जीडीपी 2.35 लाख करोड़ रुपये होगा जो महामारी पूर्व के वर्ष 2019-20 से 1.6 प्रतिशत अधिक होगा।

जीडीपी में चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही, (जुलाई-सितंबर) 2021-22 में 8.4 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि दर्ज की गयी थी। 'एसबीआई के नाउकास्टिंग मॉडल के आधार पर लगाए गए अनुमान के अनुसार, चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर21) की अवधि में जीडीपी वृद्धि 5.8 प्रतिशत रहेगी। रपट के अनुसार इसमें कुछ और भी कमी आने का जोखिम है।

एसबीआई की रिपोर्ट में पूरे 2021-22 में जीडीपी में वृद्धि के पहले के अनुमान को संशोधित कर 8.8 प्रतिशत कर दिया गया है।

10 पैसे से 590.45 रुपये पर पहुंचा ये शेयर, दिया 5 लाख परसेंट का छप्परफाड़ रिटर्न, 1 लाख रुपये के बन गए 59 करोड़

नई दिल्ली। अगर आप शेयर बाजार से कमाई करना चाहते हैं और मल्टीबैगर स्टॉक की तलाश में हैं तो आपको आज हम एक जबरदस्त शेयर के बारे में बता रहे हैं। इस स्टॉक का नाम है- जीआरएम ओवरसीज । बासमती चावल के कारोबार से जुड़ी इस कंपनी का बीएसई लिस्टेड स्टॉक साल 2004 से अब तक अपने निवेशकों को 5 लाख 90,350 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न दे चुका है। वहीं, पिछले एक साल में यह मल्टीबैगर शेयर 1,030 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न दे चुका है। यह मल्टीबैगर स्टॉक 1 अक्टूबर 2004 को बीएसई पर 0.10 पैसे प्रति शेयर के भाव से 18 फरवरी 2022 को 590.45 रुपये प्रति शेयर के स्तर तक पहुंच गया। इस अवधि में शेयर ने अपने निवेशकों को 590,350 फीसदी तक का जबरदस्त रिटर्न दिया है। वहीं, पिछले पांच साल में यह शेयर 6.20 रुपये (2 मार्च 2017 बीएसई पर बंद कीमत) से बढक़र 590.45 रुपये प्रति शेयर के भाव पर पहुंच गया है।

भारत-यूएई व्यापार-निवेश संबंधों के स्वर्णिम युग की शुरुआत : गोयल

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भारत-यूएई (संयुक्त अरब अमीरात) के बीच व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) पर हुए हस्ताक्षर को देनों पक्षों के व्यापारिक संबंधों में स्वर्णिम दौर की शुरुआत बताया और कहा कि इससे भारत में निवेश और विनिर्माण को प्रोत्साहन मिलेगा तथा लाखों की संख्या में रोजगार के अवसर पैदा होंगे। श्री गोयल ने ट्वीट किया, दोनों पक्ष इस समझौते के साथ आर्थिक और व्यापार सहयोग के स्वर्ण युग में प्रवेश कर रहे हैं। इस सीईपीए के लिए बातचीत गत सितंबर में शुरु हुई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अबू धाबी के युवराज शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के बीच शुक्रवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से हुई शिखर वार्ता के दौरान इस करार पर हस्ताक्षर किए गए। भारत की ओर से इस पर वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री गोयल और नयी दिल्ली आए यूएई के आर्थिक मामलों के मंत्री अब्दुल्ला बिन तौक अल मारी ने हस्ताक्षर किया।

उम्मीद है कि इस कारार से भारत और यूएई के बीच पहले से ही बेहतर आर्थिक वाणिज्यिक एवं निवेश संबंधों का विस्तार होगा और इससे पांच साल में द्विपक्षीय व्यापार को मौजूदा 60 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़ाकर 100 अरब अमेरिकी डॉलर पहुंचाने में मदद मिलेगी। श्री गोयल ने कहा, भारत द्वारा अब तक किये गए मुक्त व्यापार समझौतों में अपने किस्म का पहला समझौता है। इसमें कई बाते नयी है। मुक्त व्यापार व्यवस्था के तहत संयुक्त आरब अमीरात से आने वाले उत्पादों में कम से कम 40 प्रतिशत मूल्यवर्धन स्थानीय स्तर पर होने की शर्त है। उत्पाद के उद्गम स्थल का प्रमाण पत्र वहां का की सरकार करेगी, ताकि कोई तीसरा देश इस मुक्त व्यापार समझौते का फायदा न उठा सके। उन्होंने कहा कि इस समझौते से भारत रत्न और आभूषण, कपड़ा, चमड़ा, जूते, खेल के सामान, फर्नीचर और इंजीनियरिंग सामान जैसे प्रमुख श्रम प्रधान क्षेत्रों को फायदा होगा।। समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद संयुक्त अरब अमीरात के अर्थव्यवस्था मंत्री अब्दुल्ला बिन तौक अल मर्री और संयुक्त अरब अमीरात के विदेश व्यापार राज्य मंत्री थानी बिन अहमद अल जायौदी के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, गोयल ने कहा कि अगले पांच वर्षों में 100 अरब कम से कम 10 लाख नए रोजगार सृजित होंगे।

बिक रही अनिल अंबानी की बड़ी कंपनी, आरबीआई प्रशासक ने शुरू की प्रक्रिया

नई दिल्ली। कर्ज में डूबी अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस कैपिटल की बिक्री प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसी के तहत भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की तरफ से नियुक्त प्रशासक ने रिलायंस कैपिटल की बिक्री के लिए रूचि पत्र (ईओआई) मंगाई है।

ये वो पत्र होता है, जिसके जरिए ये पता चल जाएगा कि कौन-कौन सी कंपनियां रिलायंस कैपिटल पर दांव लगाने के लिए तैयार हैं। रिलायंस कैपिटल के मुताबिक रूचि पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 11 मार्च है। वहीं, रिलायंस कैपिटल के समाधान योजना को प्रस्तुत करने की आखिरी तारीख 20 अप्रैल है।

आरबीआई ने किया था भंग : आपको बता दें कि पिछले साल आरबीआई ने 29 नवंबर को भुगतान में चूक और कंपनी संचालन स्तर पर गंभीर मुद्दों के मद्देनजर रिलायंस कैपिटल (आरसीएल) के निदेशक मंडल को भंग कर दिया था। वहीं, आरबीआई ने नागेश्वर राव वाई को प्रशासक नियुक्त कर दिया था।

इसके बाद रिलायंस कैपिटल ने राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की मुंबई पीठ में कंपनी के खिलाफ कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) शुरू करने के लिए एक अपील दायर की थी।

विराट कोहली और ऋषभ पंत को बायो बबल से मिला ब्रेक, श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज से हुए बाहर

नई दिल्ली । बीसीसीआई ने वेस्टइंडीज के खिलाफ रविवार को होने वाले तीसरे और अंतिम टी20 इंटरनेशनल मैच से पहले विराट कोहली और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को टीम के बायो बबल से 10 दिन का ब्रेक दिया है। कोहली अब घर के लिए रवाना हो चुके हैं और अब वह वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टी20 तथा श्रीलंका के खिलाफ 24 फरवरी से लखनऊ में शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज में नहीं खेलेंगे। श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज के अगले दो मैच 26 और 27 फरवरी को धर्मशाला में होंगे। श्रीलंका के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए शाम को भारतीय टीम का चयन किया जाएगा।

कोहली के अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को भी बायो बबल से ब्रेक दिया गया है। पंत भी अब वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे और अंतिम टी20 मैच में नहीं खेलेंगे। इसके अलावा वह श्रीलंका के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज में भी टीम का हिस्सा नहीं होंगे।

कोहली शनिवार सुबह घर के लिए रवाना हो चुके हैं क्योंकि भारत पहले ही सीरीज जीत चुका है। जैसा कि बीसीसीआई ने फैसला किया है कि सभी खिलाडिय़ों को बायो बबल से समय-समय पर ब्रेक देने की नीति होगी ताकि यह सुनिश्चित हो सकें कि उनपर ज्यादा वर्क लोड न पड़े।

भारत और श्रीलंका के बीच होने वाली सीरीज के लिए अभी टीम इंडिया का ऐलान नहीं हुआ है और माना जा रहा है कि आज शाम के बाद टीम की घोषणा हो सकती है। भारत-श्रीलंका के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज और दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जानी है। विराट टी20 सीरीज में नहीं खेलेंगे जबकि टेस्ट सीरीज के लिए वह टीम का हिस्सा होंगे।

अजय की डेब्यू सीरीज रुद्र का ट्रेलर जारी, दमदार डायलॉग ने खींचा ध्यान

बॉलीवुड की फिल्मों में धाक जमाने के बाद अजय देवगन डिजिटल डेब्यू को लेकर तैयार हैं। वह वेब सीरीज रुद्र: द एज ऑफ डार्कनेस से अपना ओटीटी डेब्यू करेंगे। अब मेकर्स ने इस सीरीज का नया ट्रेलर जारी कर दिया है। इसमें अजय एक पुलिस वाले के किरदार में जलवा बिखरते हुए नजर आए हैं। उनका डायलॉग भी दर्शकों को पसंद आ रहा है।

डिज्नी प्लस हॉटस्टार ने रुद्र का ट्रेलर सोशल मीडिया पर शेयर किया है। हॉटस्टार ने अपने पोस्ट में लिखा, हर अपराधी का दु:स्वप्न सच होने वाला है। अंधेरे के छोर पर हमारे पास आपके लिए एक सीट है। क्या आप इसके लिए तैयार हैं? रुद्र के सभी एपिसोड 4 मार्च से डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर प्रसारित होने वाले हैं। अजय ने भी ट्रेलर शेयर करते हुए लिखा, अंधेरे से घिरा, मैं न्याय को प्रकाश में लाने के लिए तैयार हूं।

इस सीरीज में अजय ने एसीपी रुद्र वीर का किरदार निभाया है। वह अपने तरीके से अपराधियों से मुकाबला करते हैं। सीरीज के डायलॉग काफी मजेदार लग रहे हैं। ट्रेलर में एक जगह अजय कहते हैं, हर चुतिए को लगता है कि वह चुतिया नहीं है, जब तक कि उसका बाप उसके सामने नहीं आ जाता। अजय एक ग्रे कैरेक्टर में दिखे हैं। वह अपराधियों की गुत्थी को सुलझाने के लिए क्रिमिनल की तरह अपना आइडिया बनाते दिखे हैं।

पर्दे पर दमदार अभिनय करना चाहती हैं वाणी कपूर

अभिनेत्री वाणी कपूर का कहना है कि वह पर्दे पर दमदार अभिनय करना चाहती हैं और उन्हें लगता है कि उनकी आने वाली फिल्म शमशेरा उनके लिए एकदम सही है। वाणी फिल्म में एक कलाकार की भूमिका निभा रही हैं, वह कहती हैं कि शमशेरा एक नाटकीय अनुभव है और मैं वास्तव में खुश हूं कि हमारे पास रिलीज तारीख है। हम मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। वह आगे कहती हैं कि शमशेरा एक ऐसी फिल्म है जो मेरे दिल के बेहद करीब है और हममें से प्रत्येक ने इसे एक ऐसी फिल्म बनाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दिया है, जिसे सभी आयु वर्ग के लोग पसंद करेंगे। चंडीगढ़ करे आशिकी से अलग, मैं दर्शकों को एक ऐसा प्रदर्शन देना चाहती हूं, जिसे वे फिर से पसंद करेंगे। मैं स्क्रीन पर मजबूत प्रदर्शन देना चाहती हूं और शमशेरा मेरे लिए एकदम सही है।

आज का राशिफल

मेष : आज अपने विचारों में आप खूब स्पष्ट होंगे। आप लक्ष्य निर्धारित करके उसे सिद्ध करने के लिए कटिबद्ध होंगे। लक्ष्य प्राप्त करने की ऐसी आतुरता आपको अधिक आत्मविश्वासी और परिश्रमी बनाएगी हाथ में लिए हुए कार्य पूरा करने के लिए आप दिन-रात परिश्रम करेंगे।

वृषभ : आज आप कार्यक्षेत्र में अपने जिद्दी व्यवहार से कठिनाइयों को आमंत्रण देंगे, परंतु उच्च पदाधिकारियों के साथ नम्रतापूर्ण व्यवहार रखने से समस्याएं हल कर सकेंगे।

मिथुन: आज आप दैनिक कार्य और स्थिति में कुछ परिवर्तन लाना चाहेंगे। आप एक-ही जीवनशैली से बहुत ही ऊब जाने से आपको उससे मुक्ति मिलनी चाहिए। उसमें परिवर्तन लाने के लिए आप कुछ नए करने का प्रयत्न करेंगे।

कर्क : आज समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। लोग आपके व्यक्तिगत गुणों की सराहना करेंगे और आप उनके लिए प्रेरणारूप बनेंगे। लोग आपका अनुसरण करने का प्रयत्न करेंगे। आज का दिन आपके लिए बहुत लाभदायक साबित होगा।

सिंह : किसी नई वस्तु को अजमाने की आपकी तत्परता और क्षमता आपको नए कार्य क्षेत्र में पहल करने के लिए प्रेरित करेंगी। निजी मोर्चों पर स्थित स्थिरता का आप बहुत जल्दी निवारण कर सकेंगे।

कन्या: व्यवस्थित आर्थिक आयोजन करने के लिए आज आप आय और व्यय के पहलू पर ध्यान देंगे। आर्थिक मामलों पर विशेष ध्यान केंद्रित करेंगे। पैसे का निवेश करने के संबंध में द्विधा अनुभव करेंगे, परंतु वर्तमान समय में वह इच्छा दबा देनी पड़ेगी।

तुला: आप व्यवसाय अथवा मौज-मस्ती के लिए यात्रा पर जाएंगे। आप व्यवसाय में अधिक व्यस्तता अनुभव करेंगे। इसलिए परिवार और घरेलू कामकाज पर विशेष ध्यान केंद्रित नहीं कर पाएंगे।

वृश्चिक: ऐसे तो अपनी भावनाओं को सरलता से दूसरे लोगों के समक्ष व्यक्त करना आपके स्वभाव में नहीं है, परंतु मानसिक राहत पाने के लिए आप अपनी भावनाएं आज परिवारजनों के समक्ष व्यक्त करेंगे। वर्तमान परिस्थिति में ऐसा करना आवश्यक भी है।

धनु: विवाहोत्सुक युवक-युवतियों को उनके मनपसंद पात्र मिलने की संभावना है,जबकि विवाहित युगल प्रसन्न दांपत्य जीवन का अनुभव करेंगे। प्रसार माध्यमों के साथ संलग्न व्यक्तियों के लिए आज का दिन लाभदायक है।

मकर : लगता है कि आज आपकी प्रगति होगी। आज ऑफिस में सहकर्मी और उच्च पदाधिकारीगण आपको सहयोग देंगे। आपका बहुत-सा समय ऑफिस में ही व्यतीत हो जाएगा। इसलिए आप परिवार की तरफ अनदेखा करेंगे

कुंभ : आज आपको वाद-विवाद और अनावश्यक दलीलों से दूर रहने की सलाह है। यदि बहसबाजी में उतरेंगे तो किसी के साथ दुश्मनी खड़ी हो सकती है। इस संबंध में घर या ऑफिस कहीं भी हो सकती है।

मीन : आपको कोई महत्त्वपूर्ण प्रवृत्ति शुरू न करने की सलाह है, क्योंकि आपके ग्रह अनुकूल नहीं हैं। दूसरी तरफ आप, जिनमें सृजनात्मकता की अधिक आवश्यकता नहीं होगी, ऐसे दैनिक कार्य अच्छी तरह कर सकेंगे।

बनाएं दही-पापड़ की सब्जी

कभी-कभी ऐसा होता है कि किचन में सब्जियां खत्म हो जाती हैं या फिर आपका सब्जी या दाल खाने का मन नहीं करता, ऐसे में आपको कुछ डिफरेंट ट्राई करना चाहिए। आज हम आपको बता रहे हैं दही-पापड़ की सब्जी। यह राजस्थानी डिश है, जो अब इतनी पॉप्युलर हो चुकी है कि इसे हर जगह बनाया जाता है। चटपटा खाने वालों को यह डिश बहुत पसंद आएगी।

सामग्री-

दही – डेढ़ कप
मूंग पापड़ – 2
बेसन – 3/4 टेबलस्पून
बूंदी – 1/4 कप
जीरा – 1 टी स्पून
अदरक कटा – 1 टी स्पून
लाल मिर्च पाउडर – 3/4 टी स्पून
हल्दी – 1/2 टी स्पून
गरम मसाला – 1/2 टी स्पून
धनिया पाउडर – डेढ़ टी स्पून
सूखी लाल मिर्च – 2
हरा धनिया कटा – 1 टेबलस्पून
हींग – 1 चुटकी
नमक – स्वादानुसार
तेल – डेढ़ टेबलस्पून

विधि-

दही पापड़ की सब्जी बनाने के लिए सबसे पहले एक बड़े कटोरे में दही को निकाल लें और उसे अच्छी तरह से फेंट लें। इसके बाद दही में बेसन, लाल मिर्च और हल्दी डालकर एक बार फिर अच्छी तरह से फेंटते हुए सभी को मिक्स कर लें। अब इसमें 2 कप पानी डाल दें और घोल को अच्छे से मिक्स कर लें।इसके बाद घोल को छानकर अलग रख लें। अब एक नॉनस्टिक पैन लें और उसमें तेल डालकर गर्म करें। जब तेल गर्म हो जाए, तो उसमें जीरा, सूखी लाल मिर्च के टुकड़े और हींग डालकर भून लें।

शब्द सामर्थ्य- 355

बाएं से दाएं

1. तकलीफ, कष्ट, कठिनाई, परेशानी 3. सरल, सहज 6. ज्ञान प्राप्त करना, शिक्षा लेना 7. विवश, लाचार 8. अत्यधिक ठंडा, सुस्त 9. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 11. सूर्य, सूरज 13. वस्त्र आदि धारण कराना 15. अप्रसन्न, नाखुश 16. खिंचाव, आकर्षण शक्ति (उ.) 18. एक रंग, आसमानी रंग 22. सेवा-सत्कार, आवभगत 23. सर्प, सांप, लकड़ी आदि की मूर्ति बनाना।

ऊपर से नीचे

1. हृदर, उर 2. शिष्टता, भद्रता, विवेक (उ.) 3. अंतत:, अंततोगत्वा 4. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 5. आवागमन, गमनागमन 7. पुरुष 8. घोड़े की तेज चाल, तेज गति की दौड़ 10. लूटपाट, डकैती 12. बबार्दी, तबाही 14. नासिका, श्वसनइंद्रीय 17. आखेटक, अरेही 19. योग्य, काबिल 20. कामदेव की पत्नी, प्रेम, आनंद 21. रात्रि, निशा।

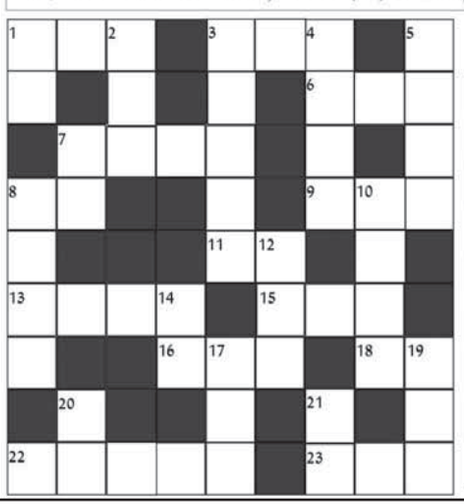

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 354 का हल

चु	स्त		मु		सं	स्था	न	
ग		म	र्दा	न	गी		त	म
ली	प	ना			त	न		
	ना	ना					ज	
मा	ह		रा		सा	ज	न	
न		स	ह	दे	व		म	द
व		म		व	न	ज		ल
ता	क	त	व	र		मी		द
	ल	ल	क		क	र	त	ल

सू-दोकू- 355

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.354 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6